PUBLICATION NAME :	Arthik Lipi
EDITION :	Kolkata
DATE :	07/03/25
Page	1

ईडीआईआई अहमदाबाद ने समावेशी उद्यम विकास और उद्यमिता शिक्षा पर उद्योग विशेषज्ञों के साथ सहभागिता की

कोलकाता, 7 मार्च । एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद, अपने शिक्षा कार्यक्रमों और सामाजिक पहलों के माध्यम से उद्यमिता और समावेशी विकास को बढ़ावा देना जारी रख रहा है। व्यापार विकास के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता को पहचानते हुए, ईडीआईआई अहमदाबाद न केवल आकांक्षी उद्यमियों को आवश्यक कौशल प्रदान कर रहा है, बल्कि हाशिए पर मौजूद समुदायों तक भी अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, ताकि सभी के लिए अवसरों को सुलभ बनाया जा सके। इस मिशन के तहत, ईडीआईआई ने अपनी 'सपोर्ट, एक्टिवेट और बिल्ड एश्योर्ड लाइवलीहुड्स (सबल)' पहल के तहत एक राउंडटेबल मीट आयोजित की। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों (PwDs) के लिए 3,000 उद्यमों की स्थापना को सुगम बनाना है, जिसमें 1,500 प्रौद्योगिकी-संचालित और 1,500 सामान्य उद्यम शामिल हैं। इस बैठक में कॉर्पोरेट नेताओं और सरकारी अधिकारियों को एक साथ लाया गया, ताकि ऐसी रणनीतियाँ विकसित की जा सकें जो दिव्यांगजनों को अपने उद्यम स्थापित करने और बनाए रखने में सक्षम बनाए, और उन्हें व्यापक उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत किया जा सके। शिक्षा और उद्यम के बीच सेतु: ईडीआईआई की उद्यमिता प्रशिक्षण पहल: बैठक में हुई चर्चाएँ नेटवर्क तैयार किया है। संस्थान को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन (NBA) द्वारा मान्यता प्राप्त है और इसे 2014 में यूएसएएसबीई आउटकमिंग एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम अब्रॉड अवार्ड से सम्मानित किया गया था। इसके परिणाम-आधारित पाठ्यक्रम बाजार की आवश्यकताओं और उद्योग की मांगों के अनुरूप डिज़ाइन किए गए हैं। एक मजबूत मुख्य पाठ्यक्रम और विविध वैकल्पिक विषयों के अलावा, छात्र विशेष सेमिनार, माइलस्टोन-बेस्ड शिक्षण, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और तकनीक-संचालित व्यवसायों के व्यावहारिक अनुभव का लाभ उठाते हैं, जिससे उन्हें एक समग्र और व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त होती है। समावेशी विकास के माध्यम से उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार: मजबूत आधार पर निर्माण करते हुए, ईडीआईआई पारंपरिक जनसांख्यिकी से परे उद्यमिता के अवसरों का विस्तार करने के लिए कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इस महत्वपूर्ण राउंडटेबल मीट में सरकार, कॉर्पोरेट्स और संस्थानों के बीच प्रभावी समन्वय के माध्यम से दिव्यांगजनों (PwDs) के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने पर विचार-मंथन किया गया। चर्चाओं का मुख्य केंद्र दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के विशिष्ट उद्देश्यों पर था : ❋ उद्यमिता में दिव्यांगजनों की भागीदारी के लिए सर्वोत्तम प्रथाएँ, जिसमें आधारभूत संरचना में सुधार से लेकर कार्यस्थल एकीकरण तक शामिल है। ❋इस

ईडीआईआई के व्यापक प्रयासों का स्वाभाविक विस्तार थीं, जो एक मजबूत उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर केंद्रित हैं। संस्थान के स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम, जिन्होंने उच्च सफलता दर हासिल की है, नए उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। ये कार्यक्रम न केवल छात्रों को उद्यमिता यात्रा में मार्गदर्शन करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करते हैं, बल्कि नवाचार और आत्मनिर्भरता की संस्कृति भी विकसित करते हैं, जो सबल पहल के उद्देश्यों के साथ सीधे जुड़ी हुई हैं। एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, ईडीआईआई के 78% स्नातकोत्तर (पीजी) पूर्व छात्र सफल उद्यमिता करियर अपना चुके हैं, जिनमें से कई पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दे रहे हैं, स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं या सामाजिक उद्यमों का नेतृत्व कर रहे हैं। ईडीआईआई दो विशेषीकृत, एआईसीटीई-स्वीकृत कार्यक्रम प्रदान करता है: ❋ प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा ह्न उद्यमिता (PGDM-ए): एक दो वर्षीय, पूर्णकालिक कार्यक्रम जो नए उद्यम सृजन, पारिवारिक व्यवसाय प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता में विशेषज्ञता प्रदान करता है। ❋ प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा ह्न नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास (PGDM-IEV): एक माइलस्टोन-बेस्ड शिक्षण दृष्टिकोण, जो व्यवसाय मॉडल विकास, बाजार सत्यापन और ईडीआईआई के क्रैडल इनक्यूबेटर में स्टार्टअप इनक्यूबेशन पर केंद्रित है। 42 वर्षों की विरासत के साथ, ईडीआईआई ने 1,000 से अधिक पारिवारिक व्यवसायों का समर्थन किया है, 100+ स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट किया है और 1,800+ सफल पूर्व छात्रों का एक समृद्ध पहल को सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के साथ संरेखित करना ताकि दीर्घकालिक प्रभाव सुनिश्चित किया जा सके। ❋दिव्यांगजनों द्वारा संचालित उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट और संस्थागत समर्थन को मजबूत बनाना। छईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने समावेशी आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, ''सही प्रशिक्षण और अवसर प्रदान करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि उद्यमिता केवल कुछ गिने-चुने लोगों तक सीमित न रहे, बल्कि सभी के लिए, विशेष रूप से दिव्यांगजनों (PwDs) के लिए, एक व्यवहार्य विकल्प बने।'' इसी संदर्भ में, डॉ. रमन गुज्जराल, प्रोफेसर एवं निदेशक, सीएसआर पार्टनरशिप विभाग, ने कहा, ''हमारी पिछली पहलों के माध्यम से अब तक 8,533 दिव्यांगजनों को कौशल-प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए लाभ पहुंचाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 1,247 उद्यम स्थापित हुए हैं। यह तो सिर्फ एक शुरुआत हैह्नहम इन प्रयासों को और विस्तारित करना चाहते हैं ताकि अधिक से अधिक दिव्यांगजन सतत आजीविका के अवसर प्राप्त कर सकें।'' सतत उद्यम विकास के लिए एकीकृत दृष्टिकोण: ईडीआईआई अहमदाबाद यह सुनिश्चित कर रहा है कि उद्यमिता केवल लाभ कमाने तक सीमित न रहे, बल्कि सामाजिक प्रभाव भी डाले। संस्थान का द्विपक्षीय दृष्टिकोणह्नशैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से भावी उद्यमियों को तैयार करना और कॉर्पोरेट भागीदारी के जरिए हाशिए पर मौजूद समूहों के लिए अवसरों का विस्तार करनाह्नसमग्र आर्थिक विकास के लिए एक नई मिसाल कायम करता है।